# <u>केस स्टडी</u>

**धनंजय कुमार**

(प्रधानाध्यापक)

**राजकीय कृत मध्य विद्यालय, रतौली, बेगूसराय**

(बिहार)

--------------------

## विद्यालय के सम्पूर्ण अकादमिक व गैर अकादमिक संरचनाओं के विकास में विद्यालय प्रमुख की भूमिका : एक केस स्टडी

**सार कथन :-**

सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के एक जीर्ण-शीर्ण और बदहाल राजकीय प्रारंभिक विद्यालय का सम्पूर्ण रूप से कायाकल्प करने और बच्चों के सर्वांगीण

विकास के लिए विद्यालय प्रमुख के रूप में लगभग 5 वर्षों की संघर्षपूर्ण यात्रा अत्यंत संतोषजनक और सुखद रही है। नकारात्मक माहौल और हतोत्साहित करने वाले वातावरण के बीच किए गए कठिन कार्यों और इतने कम समय में विद्यालय में किए गए आमूलचूल परिवर्तनों ने बेगूसराय जिले में विद्यालय की प्रतिष्ठा और ख्याति को बढ़ाया है।

## परिचय

यह केस स्टडी बिहार के एक सुदूर ग्रामीण इलाके में स्थित राजकीय प्रारंभिक विद्यालय की यात्रा का वर्णन करती है। इस विद्यालय का सामना जीर्ण-शीर्ण अवस्था, असामाजिक तत्वों की हरकतों, अभिभावकों के उदासीन रवैये, और शिक्षकों की निष्क्रियता से था। इस अध्ययन में, हम स्कूल प्रमुख के नेतृत्व में किए गए बदलावों और विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयासों का विश्लेषण करेंगे।

- **विरासत में प्राप्त विद्यालय (1)**

----------------------

इस विद्यालय में प्रधानाध्यापक के तौर पर मेरी नियुक्ति 16 मई 2016 को हुई। विरासत में मुझे यह काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में प्राप्त हुआ। उस समय असमाजिक तत्वों के द्वारा रोज-बरोज विद्यालय के अंदर तोड़-फोड़ की घटनाओं से लेकर विद्यालय के बरामदे एवं रसोईघर में पेशाव व मलत्याग करने की घटनाएँ, समाज के बुद्धिजीवियों का विद्यालय के प्रति उदासीन रवैया, अभिभावकों के मस्तिष्क में विद्यालय का मतलव महज अनुदान वितरण का केन्द्र होना, बिना गणवेश के बच्चों की न्यून व अनियमित उपस्थिति और इन सबों के बीच विद्यालय

के शिक्षकों द्वारा सिर्फ नौकरी बजाने की दिनचर्या, ये सभी ऐसे कारक थे जब समझ में नहीं आ रहा था कि काम कहाँ से शुरू करूँ।

उस वक्त सच पूछा जाय तो मेरे लिये एक मात्र आशा की किरण और कुल जमा पूँजी विद्यालय आने वाले वे बच्चे ही थे जिनके सहारे विद्यालय को खड़ा करने की शुरूआत की जा सकती थी क्योंकि प्रारंभ में शिक्षकों को मोटिभेट करना पक्के घड़े पर मिट्टी चढ़ाने जैसा कार्य था। मेरे सामने उस वक्त कई अन्य चुनौतियां भी मुँह बाये खड़ी थी। ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों व अभिभावकों के विश्वास को जीतने के साथ समाजिक सरोकारों को रखने वाले लोगों की पहचान और उनका सहयोग प्राप्त करते हुए विद्यालय के जरूरी संसाधनों को जुटाना काफी मुश्किलों भरा काम था।

स्थापित वर्ष-1952
राजकीय कृत मध्य विद्यालय रतौली
प्रखंड-बेगूसराय, जिला-बेगूसराय

● **बदलाव (2)**

----------

गाँव के सामाजिक सरोकारों से जुड़े कुछ लोगों से सम्पर्क स्थापित करने के क्रम में ही ग्रामीण नरेश बाबू और विद्यालय की वरीय शिक्षिका श्रीमती आशा कुमारी का साथ मिला। अपने स्थापना काल (1952 ई०) से विद्युतीकरण की बाट जोह रहे इस विद्यालय में विद्युतीकरण का कार्य प्रारम्भ हुआ। सभी वर्ग कक्षों में कुछ लोगों के सहयोग से बल्व व पंखे लगाये गये। और यहीं से विद्यालय विकास की गाथा प्रारंभ हुई। विद्यालय के "लोगो" का निर्माण अवसर, अभिक्षमता, विश्वास और

सफलता के मूल मंत्र के साथ "मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा" के पंचलाईन का उद्घोष किया गया ।सम्पूर्ण विद्यालय परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिये किचेन के कनस्तर से डस्टबिन का निर्माण किया गया।

**अच्छी पहल** • पहली बार मध्य विद्यालय रतौली में लगा बच्चा दरबार, बच्ची ने लगाई गुहार तीन वर्षीय भाई को नहीं छोड़ सकती घर पर

# सर, मां चौका-बर्तन करती है, हमें छोटे भाई को स्कूल लाने दें

सिटी रिपोर्टर। बेगूसराय

सर मेरे पिताजी का देहांत हो चुका है। मैं आपके विद्यालय में पांचवीं की पढ़ाई करने के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी, मेरी छोटी बहन भी एक साल से स्कूल नहीं आ रही थी...मेरा एक तीन वर्ष का भाई भी है, मेरी मां दूसरों के घर में सुबह से शाम तक काम कर हमलोगों को पाल रही है। विशेष नामांकन अभियान में हम बहनों का पुनः नामांकन हो जाने के बाद मेरे छोटे भाई को घर पर कोई देखने वाला नहीं है। अतः श्रीमान से अनुरोध है कि मेरे साथ मेरे छोटे भाई को भी विद्यालय आने की अनुमति देने की कृपा करें। दरअसल मध्य विद्यालय रतौली में शुक्रवार को बच्चों की शैक्षणिक, सामाजिक व पारिवारिक समस्याओं, शिकायतों के सम्यक समाधान को लेकर विद्यालय के एचएम भनंजय कुमार ने बच्चा दरबार लगाकर एक अनोखी पहल की। जिसमें छठी कक्षा में नामांकन लेने वाली एक छात्रा संजना कुमारी ने अपनी समस्या को रखा। इसी तरह एक अन्य छात्रा ने कहा कि सर मेरी मम्मी सुबह गाय का चारा लाकर कुट्टी काटती है और सानी लगाती है। जिसके कारण मुझे घर में सुबह का खाना बनाना पड़ता है। इसलिए मुझे रोज स्कूल आने में लेट हो जाती है, इसके लिए मेरी गलती को माफ करते हुए देर से भी स्कूल आने की अनुमति देने की कृपा करेंगे।

एचएम को आवेदन देती छात्रा।

मालूम हो कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के लिए यह पहला मौका था, जब किसी सरकारी स्कूल में बच्चा दरबार लगाकर बच्चों के समस्याओं को सुना गया। शुक्रवार को रतौली मध्य विद्यालय में आयोजित इस बच्चा दरबार में स्कूल के सौ से अधिक बच्चों ने अपनी विभिन्न प्रकार की समस्या जिनके कारण उनकी पढ़ाई-लिखाई में बाधा उत्पन्न हो रही है, को रखा और शीघ्र निराकरण को लेकर एचएम को अपना आवेदन पत्र दिया। बच्चों के दिए गए आवेदन पर विद्यालय प्रधान ने आवेदन के विषय को रजिस्टर्ड करते हुए बारी-बारी से शैक्षणिक,सामाजिक व घरेलू समस्याओं के निदान की समय सीमा का निर्धारण किया।

## मेरे पिताजी मुझे खेत में काम करने को कहते हैं सर आप मेरी मदद करें

बच्चा दरबार में सातवीं कक्षा के दो छात्र अखिलेश व तुषार ने कहा कि सर मैं पढ़ना चाहता हूं। लेकिन मेरे पिताजी मुझे खेत में काम करने को कहते हैं, निवेदन है कि मेरे माता पिता को समझाने की कृपा करें। साक्षी ने बताया कि मम्मी-पापा के बीच अक्सर झगड़ा हो जाता, जिससे मुझे तनाव होता व पढ़ाई में बाधा पहुंचती है। अमरजीत ने आवेदन दिया कि सर बहुत ज्यादा घरेलू काम करने से पढ़ाई का समय नहीं मिलता। सातवीं की लक्ष्मी ने प्रत्येक दिन विद्यालय लेट से पहुंचने का कारण बताते हुए कहा घर पर छोटे भाई बहन की देखभाल करनी पड़ती है और सुबह में खाना भी बनाना पड़ता है। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष खुशबू कुमारी, सचिव पिंकी देवी, आशा कुमारी, नीलम कुमारी, राजीव रंजन, संकर पंडित उपस्थित थे।

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy A51

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy A51

GOVT. MIDDLE SCHOOL

## • नाट्य कार्यशाला (3)

---------------

दूसरी ओर विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों की वर्षो से मूक पड़ी अभिव्यक्ति को नया स्वर प्रदान करने के लिए भोपाल नाट्य विद्यालय से पास आउट युवा बालरंगकर्मी श्री ऋषिकेश के नेतृत्व में विद्यालय में नाट्य कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला के बाद बच्चे बर्हिमुखी हुए तथा विद्यालय में उनका मन लगने लगा ।

**बरौनी प्रभात**

**आयोजन.** मध्य विद्यालय रतौली में आयोजित हुआ कार्यशाला का समापन समारोह

# कार्यशाला में बच्चों ने दिखायी प्रतिभा

**कला-संस्कृति के क्षेत्र में नौनिहालों के भविष्य को संवार रहा आकाश रंग चौपाल: रजनीश**

**संवाददाता** ▷ बीहट

शिक्षा को जब तक ज्ञानार्जन का साधन समझते रहेंगे तब तक रवींद्र टैगोर वाली शिक्षा की अवधारणा बच्चों में पनप नहीं पायेगी. आज जरूरत है कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक विधाओं का परिचय बच्चों से करायी जाये. उक्त बातें सोमवार की शाम मध्य विद्यालय रतौली में सोलहवें ग्रीष्मकालीन रंग-उमंग कार्यशाला के समापन समारोह के अवसर पर विधान पार्षद रजनीश कुमार ने कहीं. उन्होंने कहा जब तक शिक्षा अपनी पुरातन संस्कृति को साथ लेकर नहीं चलेगी तब तक देश-प्रदेश में शिक्षा आधी-अधूरी रहेगी. युवा पीढ़ी का दायित्व है कि बेगूसराय जिले में कला-संस्कृति के क्षेत्र में नौनिहालों के भविष्य को संवारने में लगी आकाश गंगा रंग चौपाल जैसी संस्थाओं को आगे बढ़कर सहयोग करें. उन्होंने बीहट मध्य विद्यालय के प्रधान रंजन कुमार और रतौली मध्य विद्यालय के प्रधान धनंजय कुमार का नाम लेते हुए कहा कि सरकारी शिक्षक होने के बावजूद भी शिक्षा को सरकारी सरोकार के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक सरोकार के रूप में देखते हैं. ऐसे शिक्षकों के प्रति विश्वास और सम्मान देने की जरूरत है. इन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन पूरे जिले के विद्यालयों में चलने चाहिए. उन्होंने इस मौके पर मध्य विद्यालय रतौली को मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना के तहत बच्चों को बैठने के लिए तीन लाख मूल्य के संसाधन तत्काल उपलब्ध कराने की घोषणा की. जदयू जिलाध्यक्ष भूमिपाल राय ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार का समावेश होने से देश-दुनिया में अपना नाम रोशन कर हमें गौरवान्वित करेंगे. भारद्वाज गुरुकुल के निदेशक शिव प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि यदि बदलाव आयेगा तो ऐसे विद्यालय और मंच से ही आयेगा और बच्चे विद्यालय में तभी आयेंगे जब उनके लायक व्यवस्था होगी. अतिथियों का स्वागत करते हुए आकाश गंगा रंग चौपाल के अध्यक्ष शंभु साह ने ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम की उपादेयता पर प्रकाश डाला. संस्था के संरक्षक पूर्व मुख्य पार्षद राजेश कुमार टूना ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आकाश गंगा कला और नाट्य विधाओं के इतर अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करती है . और साइकिल पे संडे कार्यक्रम के तहत स्वच्छता और पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए पौधारोपण जैसे कार्यक्रम कर लोगों को जागरूक करती है. कार्यक्रम का संचालन डॉ कुंदन कुमार ने किया. मौके पर भाजपा नेता पवन कुमार बब्बन, संजय गौतम, नितेश रंजन, सीमा संगसार, मैडम रंजना, डॉ बलवन, एचएम रंजन कुमार, विद्यालय एचएम धनंजय कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

**दीप जलाकर कार्यक्रम का हुआ आगाज** :विधान पार्षद रजनीश कुमार समेत उपस्थित अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की. इस मौके पर आकाश गंगा रंग ने अतिथियों को प्रतीक चिह्न और पौधा भेंटकर सम्मानित किया. वहीं प्रशिक्षक बच्चु भाई के नेतृत्व में प्रशिक्षु बच्चों में गीता, पिंकी,अनिता, जानकी,विजय ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया.

समापन समारोह में भाग लेते अतिथि.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे.

## प्रशिक्षित कलाकारों ने प्रस्तुति से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

**बीहट.** मध्य विद्यालय रतौली में आकाश गंगा रंग चौपाल एसोसिएशन द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला रंग-उमंग का भव्य समारोह के साथ समापन हो गया . सोमवार की शाम रंग-बिरंगी आकर्षक परिधानों से सजी स्कूली छात्र-छात्राओं ने कार्यशाला के दौरान सीखे गये भावपूर्ण लोकनृत्य, लोकगीत,नाटक तथा संगीत की प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही लूटी . एक के बाद एक प्रस्तुति देते हुए इन प्रशिक्षित कलाकारों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों को बांधे रखा . घर आया मेरा परदेसी, छोटा बच्चा जानके, छोटी सी प्यारी सी आयी कोई नन्ही परी के बाद मेरे महबूब ये जंग का दौर है, प्यार के गीत गाने की फुर्सत नहीं जैसे देशभक्ति के जज्बे से भरा कार्यक्रम देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे . वहीं मध्य विद्यालय बीहट की खास प्रस्तुति गणेश वंदना को दर्शकों ने काफी सराहा और कलाकारों की हौसला आफजाई की . कार्यक्रम निदेशक गणेश गौरव ने बताया कि कार्यशाला के दौरान संगीत के प्रशिक्षक बच्चू भाई, नरेश, आनंद, आकाश, दिनेश तथा लोकनृत्य मे चांदनी और बलिराम ने बच्चों को प्रशिक्षित किया. वेस्टर्न संगीत के लिए शशि, चंदन तथा क्रॉफ्ट के विधा का प्रशिक्षण मनीष, अंकित, किशन ने दिया. वहीं कार्यक्रम के दौरान बाल कलाकारों ने राधे और विकास के प्रशिक्षण मे यमराज की अदालत नाटक का मंचन किया.

## ● विद्यालय निधि व सामुदायिक सहयोग (4)

----------------

विद्यालय निधि व सामुदायिक सहयोग स्थापित करते हुए मुख्य द्वार पर एक बड़ा सा गेट लगाया गया। बच्चों को रंगो की दुनिया काफी आकर्षित करती है; तो पूरे विद्यालय का रंग-रोगन स्थाई कलरफुल पलास्टिक पेंट से किया गया... कालक्रम में विद्यालय प्रमुख के रूप में हमारी व्यस्तता भी काफी बढ़ने लगी। विद्यालय को सामुदायिक सहयोग, कम्पनियों से सी°एस°आर° अनुदान के रूप में बैंच डेस्क, आलमारियाँ, शुद्ध पेय जल हेतु Aqua Guard, कार्यालयी कार्य हेतु

कम्प्यूटर भी प्राप्त करने में सफलता मिली। इतना ही नहीं शिक्षकों व खुद के सहयोग से भी कई जरूरी संसाधनों को जुटाना शुरु किया...बच्चों के लिये शुद्ध पेय जल की व्यवस्था के साथ-साथ स्कूल में समरसेवल, नलटंकी, हेंड वाश स्टेशन की स्थापना की गई है... छात्र व छात्राओं के लिये अलग-अलग शौचालयों एवं यूरेनल स्टेशन का निर्माण किया गया है।

- **लीडरशिप डेवलपमेंट (5)**

----------------

बच्चों में सामुदायिक नेतृत्व, सहयोग की भावना व उनके व्यक्तित्व विकास को लक्षित पूरे विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उनके फ्लैग के साथ चार हाऊस नालंदा, विक्रमशिला, वैशाली व मगध हाऊस में बाँटते हुए उनके अंदर आत्म विश्वास को भरने का कार्य शुरु किया गया। ऐसा करते हुए हमने पाया कि विद्यालय में महज कम समय में ढ़ेर सारे लीडर पैदा हो चुके थे। इस कार्य से विद्यालय के बच्चों के बीच एक स्वस्थ्य प्रतिश्रपर्धा का जन्म हुआ एवं उनके सम्पूर्ण विकास को लक्षित कई तरह की कार्ययोजनाएँ भी बनाई गई। बच्चों के बीच इन्टर हाउस क्वीज प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा स्पोर्ट्स एवं गेम्स का आयोजन नियमित अंतराल पर होने लगे। खेल-कूद की व्यवस्था होने से बच्चे काफी उत्साहित हुए और पढ़ाई के साथ-साथ उनका मनोरंजन भी होने लगा।

GOVT. MIDDLE SCHOOL, RATAULI, BEGUSARAI
ज्ञान पल्लव क्वीज
ज्ञान पल्लव क्वीज

DON'T SMOKE
शिक्षा विभाग, बिहार सरकार
OVERNMENT MIDDLE SCHOOL, RATAULI (BEGUSAR
शिक्षा विभाग, बिहार सरकार
Education Department, Govt. of Bihar

When you stop drinking
Stop violence
Stop crime
Stop accident

- **नामांकन अभियान (6)**

--------------

वर्ष 2018 का वह वक्त था जब विद्यालय में हो रहे बदलाव के साथ-साथ अभिभावकों में विद्यालय के प्रति विश्वास की पुर्नवापसी हो रही थी। छात्र-छात्राओं को लगातार मोटिवेट करने का परिणाम यह हुआ कि अब विद्यालय में तकरीवन 90% बच्चे  साफ-सुथरे विद्यालय परिधान में पहुँचने लगे थे। मेरे लिये यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था कि इस दौरान किसी भी अभिभावक ने मुझसे पोशाक और छात्रवृति की राशि की माँग करने विद्यालय नहीं पहुँचे...लगभग सभी यही कहने आये कि " तनि हमरा बच्चा पर ध्यान दथिन...प्राइवेट स्कूल से नाम कटाईके अपने यहाँ लिखवैलियन हन "......

यह वह वक्त था जब विद्यालय पोषक क्षेत्र सहित पोषक क्षेत्र के बाहर के भी तीन गाँव के अभिभावकों ने एक शैक्षणिक वर्ष में रिकॉर्ड 179 बच्चों का नामांकन इस विद्यालय में उनकी ऊँगलियाँ पकड़कर कराया।

- **अभिनव चेतना सत्र (7)**

--------------

विद्यालय में इतने सारे बदलाव के बाद (अप्रील 2018)से विद्यालय में भव्य और अभिनव चेतना सत्र का संचालन प्रारंभ हो चुका था। अलग-अलग हाउस के हाउस लीडर( जिसमें लड़कियों की सक्रियता अधिक थी) या उन हाउसों के अन्य बच्चे अलग-अलग दिनों में आज का सुविचार, समाचारवाचन, प्रेरणागाथा, प्रेरणागीत, रोचकतथ्य, विज्ञान क्यों और कैसे, दिवसज्ञान, संविधान की प्रस्तावना आदि के साथ चेतना सत्र को जीवंत बनाने लगे थे। चेतना सत्र के बेहतर संचालन से बच्चों का जहाँ एक तरफ आत्मविश्वास बढ़ा वहीं दूसरी ओर उनके अंदर जबरदस्त रूप से नेतृत्व क्षमता व सहयोग की भावना का विकास हुआ।

- **मासिक बाल दीवार पत्रिका "इंद्रधनुष" का प्रकाशन एक मील का पत्थर (8)**

विद्यालय में बच्चों की नियमित एवं बेहतर उपस्थिति होने के बाद उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धताएँ बढ़ चुकी थी...रोज कुछ नया सोचने व नया करने की दिशा में कार्य करने स्वप्रेरणा भी जगने लगी... बच्चों की कल्पनाशील शक्तियों को पंख लगाने तथा उनके सीखने की क्षमता में अभिवृद्धि को लेकर वर्ष 2019 में गर्मी की छुट्टियों के दौरान बेगूसराय जिले के युवा शिक्षक साहित्यकार कवियित्री श्रीमती सीमा संगसार के अतिथि संपादन में बाल सृजन के विविध रंगों से भरी बाल दीवार पत्रिका "इंद्रधनुष" के निर्माण और प्रकाशन की कार्यशाला विद्यालय में आयोजित की गई। 15 दिवसीय यह कार्यशाला विद्यालय के लिये मील का पत्थर सावित हुआ। कहते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि विद्यालय के बच्चे अपने बाल संपादक मंडल के नेतृत्व में सम्पादकीय के साथ बाल पत्रिका के विभिन्न स्तम्भों यथा बाल कूँची (चित्रांकन), बालमन(कविता), कहानी संग्रह, चुटकुले, पहेलियाँ, साक्षात्कार, प्रेरकप्रसंग, महापुरुषों की जीवनी, ज्ञान-विज्ञान की बातें आदि से संबंधित स्वरचनाओं के साथ अपने रंग-बिरंगे हैंड मेड इंद्रधनुष का प्रकाशन करते हैं..नबंवर 2022 तक बच्चों ने इंद्रधनुष के 22 वें अंक का प्रकाशन सफलता पूर्वक कर चुके हैं।

- **लीडरशिप की भूमिका में विद्यालय (9)**

मध्य विद्यालय रतौली में तीव्र गति से संचालित विविध विकास कार्यक्रमों, और बच्चों के सम्पूर्ण अकादमिक व सह अकादमिक उन्नति के लिये अनेकानेक अभिनव सफल प्रयोगों की खबरों पर संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग बेगूसराय ने बेगूसराय प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के तकरीवन 30 विद्यालय प्रमुखों को इस विद्यालय के नेतृत्व व प्रबंधन को जानने, समझने और अपने अपने विद्यालयों में लागू करने के उद्देश्य से वर्ष 2019 के अंत में इस इस विद्यालय में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में प्रतिनियुक्त किया गया.... निश्चित रूप से इस घटना से

विद्यालय के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को गौरवान्वित होने का एक अवसर दिया और वे पहले से अधिक मोटिवेट होने लगे।

## • स्वर्णिम पुस्तकालय व मल्टीमीडिया क्लास रूम की स्थापना (10)

------------

इसी वर्ष समाजिक अनुदान व खुद के सहयोग से विद्यालय के एक बड़े कमरे में करीब 2 लाख 25 हजार की लागत से एक भव्य स्वर्णिम पुस्तकालय के साथ मल्टीमीडिया क्लास रूम की स्थापना भी हुई। मैंने अपने वेतन से बैंक लोन लेकर 67 हजार की लागत से 50 ईंच का एक स्मार्ट टी.भी. खरीदा। आज बच्चे पुस्तकालय में उपलब्ध तकरीबन 1500 से अधिक पुस्तकों में से अपनी मनपसंद पुस्तक चयनित कर पढ़ते हैं साथ ही साथ प्रत्येक कक्षा के बच्चे इस स्मार्ट टी.भी. पर ऑफ लाईन एवं ऑन लाईन शैक्षिक विडियो, बाल व कार्टुन फिल्में, विज्ञान के प्रयोग एवं अन्य प्रसारित कार्य क्रमों को आनंद के साथ देखते व सीखते हैं।

## • दीक्षांत समारोह (11)

--------------

विगत 5 वर्षों से हमारे विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने वाले कक्षा अष्टम उत्तीर्ण बच्चों के लिये विश्वविद्यालय के तर्ज पर  समारोह पूर्वक दीक्षांत उत्सव का आयोजन किया जाता है...इस आयोजन में बच्चों को कक्षा उत्तीर्णता प्रमाण पत्र के साथ उन्हें आगे के विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सादगी सदाचार व संयम को अपनाने के साथ पर्यावरण जीव-जन्तुओं व जरुरत मंदों के प्रति प्रेम, सहयोग व दया का भाव रखने से संबंधित शपथ दिलायी जाती है।

Govt. Middle School, Ratauli, Begusad
realme
Shot by Realme 7 PRO

- **विद्यालय स्तर पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन(12)**

----------------------

विद्यालय में बच्चों की कल्पना शील शक्तियों के विकास एवं उनकी कलात्मक अभिरूची व उनकी सांस्कृतिक चेतना के विकास के लिये समय-समय पर प्रस्तुतिपरक कार्यशालाओं का आयोजन होता है जिसमें नाट्य , संगीत, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, मधुवनी पेंटिगमुर्त्तिकला, दीवार पत्रिका निर्माण, रंग-उमंग व लंगोटिया एक्सप्रेस प्रमुख हैं।

रंग-उमंग

2022

NSS
Mid day Meal

दैनिक भास्कर

समारोह 2022

- **कक्षा में जीवंत प्रयोगों के साथ विज्ञान शिक्षण(13)**

...............

संसाधनों के अभावों से जूझते हुए भी हमारे विद्यालय के शिक्षक अपनी कक्षाओं में छात्रों को विज्ञान का पाठ ज्यादातर विज्ञान के जीवंत प्रयोगों एवं अधिक प्रमाणिकता के साथ पढ़ाने की कोशिश करते हैं ताकि बच्चे विज्ञान विषय को विशेष अभिरुची के साथ पढ सकें।

- **बच्चा दरबार का आयोजन एक सफल प्रयोग(14)**

-------------------

वर्ष 2017 से ही इस विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के विविध घरेलू, सामाजिक व उनकी शैक्षणिक समस्याओं व शिकायतों को जानने समझने व उसके सम्यक निदान को लेकर शासन और प्रशासन द्वारा आयोजित किये जाने वाले जनता दरवार के तर्ज पर "बच्चा दरबार" नियमित अंतराल पर लगाया जाता रहा है...बच्चा दरबार में बच्चों की विविध समस्याओं व शिकायतों के निदान उनके अभिभावकों, शिक्षकों व विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों के समक्ष करने की कोशिश की जाती....विद्यालय में जनता दरबार के आयोजन का परिणाम बेहद शानदार रहा है...इसी बहाने हमें बच्चों की विभिन्न ऐसी समस्याओं को समझने व जानने का अवसर मिलता है जो उनके शैक्षिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हों... तद्नुसार हम सभी मिलकर समाधान की दिशा में प्रयास करते हैं।

M.S. RATAULI

GOVT. M.S. RATAULI
JSL
हिंदी व्याकरण
एकवचन-बहुवचन

## विद्यालय प्रमुख के रूप में 5 वर्षों के कार्यकाल में प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

-------------------

यह कहते हुए काफी हर्ष की अनुभूति हो रही है और संतोष प्रात होता है कि 2016-17 के दौरान राजकीय मध्य विद्यालय रतौली जो बेगूसराय जनपद के सर्वाधिक निकृष्ट विद्यालयों में से एक में गिना जाता था आज इस विद्यालय को लोग बेगूसराय जिले के सर्वश्रेष्ठ व उत्कृष्ट 1 से 10 रेंकिंग वाले विद्यालयों की श्रेणी में गिनते हैं...विगत 5 वर्षों में इस विद्यालय व यहाँ के छात्र/छात्राओं ने स्वच्छता, खेलकूद, विज्ञान व कला के क्षेत्र में जिला व राज्य स्तर पर कई नायाब उपलब्धियों को हासिल किया है...2020 में जिलाधिकारी बेगूसराय द्वारा इस विद्यालय को जिले के कुल 7 उत्कृष्ट विद्यालयों में शामिल करते हुए इसे उत्कृष्टता प्रमाणपत्र से नवाजा गया। 2021 में जिला प्रशासन बेगूसराय द्वारा इस विद्यालय को 4 अन्य विद्यालयों के साथ फाईव स्टार रेटिंग देते हुए स्वच्छ विद्यालय का ऑवर ऑल खिताब मिला। 2022 के सफर में गुणवत्ता शिक्षा को एक मिशन के साथ विद्यालय में रुपांतरित किया गया...2023 का यह वक्त मानो यह कहते हुए गुजर रहा है कि अभी तो बस शुरूआत है...मीलों चलना बाकि है...मुझे अच्छा लगता है जब देखता हूँ बच्चों की आँखो में तैरते हुए सपने ...मुझे अच्छा लगता है जब देखता हूँ

उनके चेहरों पर बिखरती हैं मुस्कुराहटें....कोशिश भी बस यही करता हूँ क्योंकि मैं शिक्षक हूँ।

**प्रेरक** | **बेगूसराय जिले के मध्य विद्यालय रतौली को निजी स्कूल की तर्ज पर कर दिया विकसित**

# धनंजय ने उजड़े चमन में फूंक दी नई जान

मो. खालिद • बेगूसराय

### कभी स्कूल कैंपस में बंधती थी गाएं और शौच के लिए आते थे ग्रामीण, अब सजा विद्या का मंदिर

बच्चा दरबार में एचएम धनंजय झा को आवेदन सौंपती एक छात्रा • जागरण

धनंजय झा, प्रधानाध्यापक • जागरण

अकेला ही चला था जानिब-ए-मंजिल मगर, लोग आते गए और कारवां बनता गया, किसी शायर का यह शेर शिक्षक धनंजय झा पर पूरी तरह फिट बैठता है। धनंजय सदर प्रखंड के मध्य विद्यालय, रतौली के प्रधानाध्यापक हैं। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने विद्यालय को वह मुकाम दिला दिया है कि आज अभिभावक निजी स्कूलों से अपने बच्चों का नाम कटवाकर उसे लेकर सरकारी स्कूल में दाखिला कराने पहुंच रहे हैं। विद्यालय परिसर का माहौल इतना खुशगवार है कि बच्चे बिना किसी दबाव के विद्यालय की ओर खींचे चले आते हैं। रोज बच्चों के बीच पठन-पाठन के अलावा अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों सिलसिला भी चलता रहता है।

सदर प्रखंड के अमरौर किरतपुर गांव निवासी हाईस्कूल के रिटायर्ड शिक्षक जयजयराम झा की छह संतानों में सबसे छोटे धनंजय हैं। इनकी पहली पोस्टिंग गोपालगंज के मध्य विद्यालय नरवार बैकुंठपुर में हुई थी। वहां से स्थानांतरित होकर बरौनी प्रखंड के मध्य विद्यालय महना में आए, प्रमोशन के बाद पहले उत्क्रमित मध्य विद्यालय चककानया भगवानपुर फिर मध्य विद्यालय, रतौली में एचएम बनाए गए। सदर प्रखंड से करीब दस किलोमीटर की दूरी पर मध्य विद्यालय रतौली है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण वहां के स्कूल भी अन्य जगहों की तरह ही अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे थे। तभी वर्ष पहले 2016 में धनंजय झा ने वहां की बागडोर संभाली। सर्वप्रथम तो उन्होंने स्कूल कैंपस को सुरक्षित बनाया, फिर रंग-बिरंगे रंगों से विद्यालय को सजाया। ग्रामीणों का सहयोग लेकर समरसेबुल और पानी की टैंक की स्थापना की। फिर ग्रामीणों के सहयोग से विद्यालय में मल्टीमीडिया क्लास रूम की स्थापना करवाई। तत्पश्चात विद्यालय के बच्चों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी स्थापित की। क्षेत्र में सघन अभियान के माध्यम से बच्चों की दो सौ की उपस्थिति को पांच सौ तक ले गए।

धनंजय बताते हैं कि इन वर्षों में विभिन्न निजी व अन्य स्कूलों को छोड़कर 179 बच्चों ने विद्यालय में दाखिला लिया है। बच्चों के लिए अधिकारियों के जनता दरबार की तर्ज पर बच्चा दरबार संचालित किया गया। बच्चों के संपादक मंडली द्वारा तैयार दीवार पुस्तक निकलवानी शुरू की। बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में बच्चों के सामूहिक जन्मदिन मनाने की शुरुआत की। एचएम अपने वेतन से विद्यालय के जरूरतमंद हर बच्चे को पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाते हैं। उनके इस कार्य को देखते हुए गांव के लोग भी उनके साथ जुड़ते गए। तत्कालीन जिलाधिकारी राहुल कुमार द्वारा उनके विद्यालय की तस्वीरों को अपने ट्वीटर हैंडल से भी ट्वीट किया जाता रहा है। पिछले माह ही जिलाधिकारी द्वारा उनके स्कूल को उत्कृष्ट विद्यालय के पुरस्कार से नवाजा गया था। इसके अलावा भी उन्हें कई अन्य सम्मान मिले हैं।

कार्यालय-जिला शिक्षा पदाधिकारी, बेगूसराय

प्रशस्ति पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ( विद्यालय का नाम ) मध्य विद्यालय

रतौली प्रखण्ड बेगूसराय

ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है । इस कार्य के लिए शिक्षा विभाग, बेगूसराय के द्वारा समस्त विद्यालय परिवार को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाता है ।

शिक्षा विभाग समस्त शिक्षकों एवं छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है ।

20.7.19

श्री देवेन्द्र कुमार झा
जिला शिक्षा पदाधिकारी
बेगूसराय

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

श्री राहुल कुमार (भा.प्र.से.)
जिला पदाधिकारी
बेगूसराय

## निष्कर्ष और सिफारिशें

इस अध्ययन से हम समझते हैं कि सही नेतृत्व और समर्पण से विद्यालय के वातावरण और शिक्षण की गुणवत्ता में काफी सुधार किया जा सकता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह के प्रयास आवश्यक हैं। समुदाय की भागीदारी, शिक्षकों का प्रशिक्षण और संवेदनशीलता, बच्चों की भागीदारी और सुझावों को महत्व देना, और शैक्षिक नवाचार इस प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पहलू हैं। यह अध्ययन न केवल विद्यालय के विकास की दिशा में एक मार्गदर्शक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कैसे उचित नेतृत्व और दृष्टिकोण से बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।